Total No. of Questions - 3] [Total Pages : 3

(2062)

9712

M.A. Examination

HINDI

(भक्ति एवं रीति काव्य)

Paper–V

(Semester-II)

Time : Three Hours] [Max. Marks : Regular : 80 / Private : 100

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) मीठे-मीठे बोल बोलि, ठगी पहिलें तौ तब,
अब जिय जारत, कहौ धौं कौन न्याय है।
सुनो है कै नाहौं, यह प्रगट कहावति जू,
काहु कलपायहैं सु कैसें कल पायहै।।

(अथवा)

झलकै अति सुंदर आनन गौर, छके दृगराजत काननि छ्वै।
हँसि बोलन मैं छवि-फूलन की बरषा उर-ऊपर जाति है ह्वै।
लट लोल कपोल कलोल करै, कल कंठ बनी जलजावुलि द्वै।
अंग-अंग तरंग उठे दुति की, परिहै मनौ रूप अबै धर च्वै।।

(ख) चकई बिछुरि पुकारे कहाँ मिलहु हो वाँह।
एक चांद निसि सरग परदिन दोसर जल माँह।।

(अथवा)

चारिउ चक्र उजारि भे सकसि सँदेस टेकु।
कहौं विरह दुख आपन बैठि सुनहि उँउ एकु।।

(ग) खौरि-पनच भृकुटी-धनुष बधिक-समरु तजि कानि।
हनतु तरुन-मृग तिलक-सर सुरक-माल भरि तानि।।

(अथवा)

पत्रा हीं तिथि पाइये वा घर कै चहुँ पास।
नितप्रति पून्यौई रहै आनन-ओप-उजास।। 3×8=24

[3×10=30]

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए :

(क) घनानन्द के श्रृंगार वर्णन का मूल्यांकन कीजिए।

(ख) बिहारी के काव्य-सौंदर्य का समीक्षात्मक वर्णन कीजिए।

(ग) जायसी के 'पद्मावत' में प्रेम-व्यंजना की समीक्षा कीजिए।

(घ) बिहारी की कविता में भक्ति के स्वरूप-सौंदर्य का विवेचन कीजिए।

(ङ) घनानन्द की काव्य-भाषा का विवेचन कीजिए। 3×17=51

[3×20=60]

3. (क) बिहारी के काव्य में अतिरंजना-दोष पर अति संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(ख) जायसी की मसनवी रोली पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(ग) घनानन्द की कविता में 'सुजान' शब्द पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(घ) 'पद्मावत' में प्रकृति-चित्रण की किसी **एक** विशेषता की व्याख्या कीजिए।

(ङ) घनानन्द किस काव्यधारा के कवि हैं? सोदाहरण संक्षिप्त उत्तर दीजिए। 5×1=5

[5×2=10]